दैनिक जागरण

रविवार 22 जनवरी 2012 : माघ कृष्ण 14, वि. 2068

प्रियंवदा बिड़ला आई अस्पताल में 'लासिक' तकनीक

कोलकाता : महानगर स्थित प्रियंवदा बिड़ला अरविंद आई हास्पिटल में माओपिया (दूर तथा नजदीक की दृष्टि में फर्क) के इलाज के लिए विशिष्ट लासिक (लेसर असिस्टेड इन सीटू केराटोमिलियोसिस) तकनीक का शुभारंभ हुआ। शनिवार को एमपी बिड़ला ग्रुप के चेयरमैन हर्षवर्धन लोढ़ा ने लासिक तकनीक आधारित मशीन वेवलाइट एलेग्रेटो एक्सिमर लेजर 500 का उद्घाटन करते हुए कहा कि आंख की बारीक सुरक्षा को सुनिश्चित करने के साथ ही सटीक परिणाम देने के लिए यह आधुनिकतम तकनीक अमेरिका, यूरोप सहित दुनिया के प्रमुख देशों में प्रचलित है। जर्मन निर्मित इस मशीन की कीमत करीब 3.5 करोड़ रुपए है।

प्रियंवदा बिड़ला आई अस्पताल इस तकनीक को शुरू करने वाला पूर्वी क्षेत्र का पहला अस्पताल हो गया है। उद्घाटन समारोह के दौरान नेत्र विशेषज्ञ डा. दीपांजन पाल ने बताया कि प्लस या माइनस नम्बर के चश्मे का प्रयोग करने वाले व्यक्ति इस तकनीक से होने वाले करेक्शन के बाद चश्मे से निजात पा सकते है। पाल ने कहा कि लेजर आधारित 20-20 विजन करेक्शन के लिए आयु सीमा 18 से 35 साल होना जरूरी है।